



निम्नलिखि की मुकुट लकड़ी को सी बिश्वास लकड़ी बनाने की कंपनी  
 के मुकुट लकड़ी जाति उत्तर प्रदेश खेती करी निवास गांव  
 सिमडेगा चौमोटोली छगना जौर याना सिमडेगा जिला —  
 राजी।

अधिकारी: — मी अब्दुल तिकी पिला का नाम मी रखूस्तोदमा तिकी  
 जाति उत्तर प्रदेश खेती करी निवास गांव सिमडिका चौमोटोली  
 छगना जौर याना सिमडेगा जिला राजी। — केता।

लेखक प्रकार: — बिक्री पर केवला (बैला कलामी) हज छुजादिक सदा  
 दिन के लिये होता है।

मुद्रण: — शिवलीक दी हजार रुपये से रुपया अंके २१००) रुपया  
 जिसका भाष्टा एक हजार पचास रुपया अंके १०५०) रुपया  
 होता है।

आपति: — अराजिमात अन्दर खेलट नृ० २ खाता नृ० ६४ माट नृ० ४६२  
 रुपया ०.३० डीसील में से ०.१४ डी० पन्द्रह डीसील बारी  
 दोबीमत काममी रेयती जमीन खास सम दखली जिसका प्रा  
 विवरण नीचे दिया गया है।

(wife of)  
 Bishwasi Murkey

राज्य छवि दरक्षित दिन १२-१-६६

30RS.



1. यह किं नुस्खे धर के जहारी वर्षी के लिये मौजे बदाजनै को कहि चुकाने वो बहन जी धारी के लिये सौपेहों को बड़ी आवश्यकता पड़ी, भौर इस समय इस ज्ञान के लिये सौपेही मिलने का अन्त्र उपाय निवाय जमीन जो दो हुसरा नहीं है,

अतः उपर्युक्त लेख्य धारी की अवलोक तिक्की से मेरी जमीन खीदने की धार्यना की भौर उन्होंने जमीन लेना होकार दिया

2. इसलिये हमलोगों ने अपनी इच्छा से शब्द और मन की स्वास्थ्यता में रहकर उपर रखना संरक्षा वै में बित्त जमीन को उपर्युक्त लेख्य धारी को हाथ में मोबलीक दो हजार रुपए सौ सौपेहा अंडे, २१००) सौपेहा नगद कीमत वो बसुली पाकर बेचा और इस जमीन का अपना सब अधिकार -

हक् - हक्क, उच्च, लेख्य धारी को हस्तान्तरित कर दिया।

अब से बिक्रीत जमीन पर हमारा कोई अधिकार न रहा न हमारी किसी उत्तराधिकारी मा स्थानापन का। किं

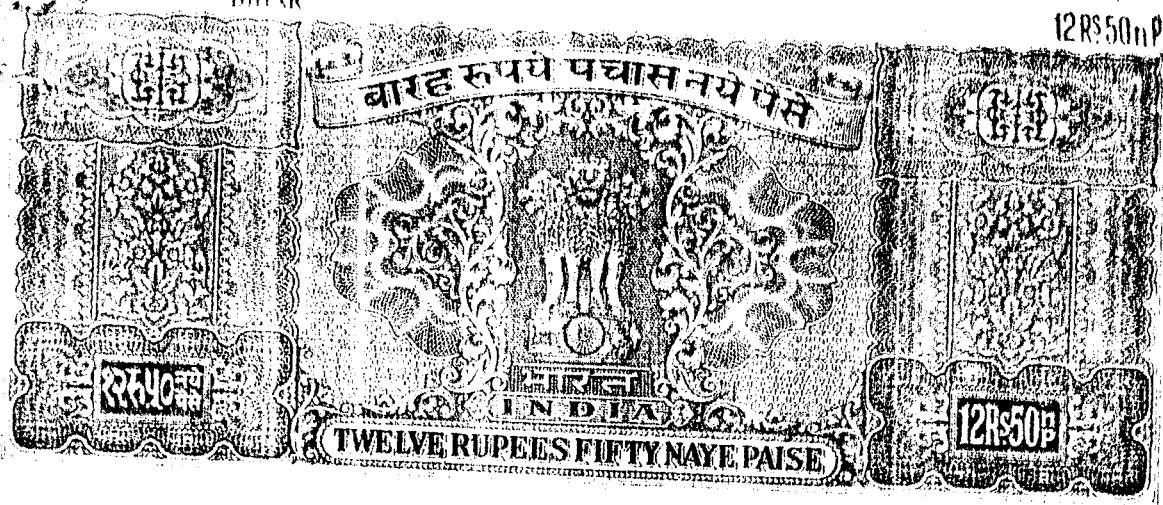
क्य बिक्री करने वाले कोनो सुरक्षित रेयत है, अतः जीमान ३८० डी० ओ० सिमेंटो के अदालत में परमित्यन का दर्शाए बिया जिसका मुकदमा न० १ अरट (ii)

६४-६५ है, जिसकी स्वीकृति विनोल, ३०-४-६५ को हुई है।

3. हम अतिथा करते हैं कि उक्त जमीन पर हमलोगों का निर्विकार हक् वो दखल करता है और किसी हक्कार का भंभट नहीं है, पाइये कि, लेख्य धारी बिक्रीत जमीन

(wife of)

Bishwasi Tirkey



जमीन पर काविजा भो दखलकार होकर जोत कोड़ करे  
वो मौजागाह नगदी जानही जास तरह का ही पुज  
पुस्ताधिक आद औत्तर तब, पारम सुरक्षा ओ —  
तसकुफ किया करे। वो जमीनार किहार सरकार  
बजारिये सर्किल आफिसर बोलत फिरमेड़ा छे  
सिरिस्ते भापने नाम पर दाखिल खारीज बहारीके  
वो मालछाजारी देकर खास रसीद आपने नाम से  
लिप्ता करे।

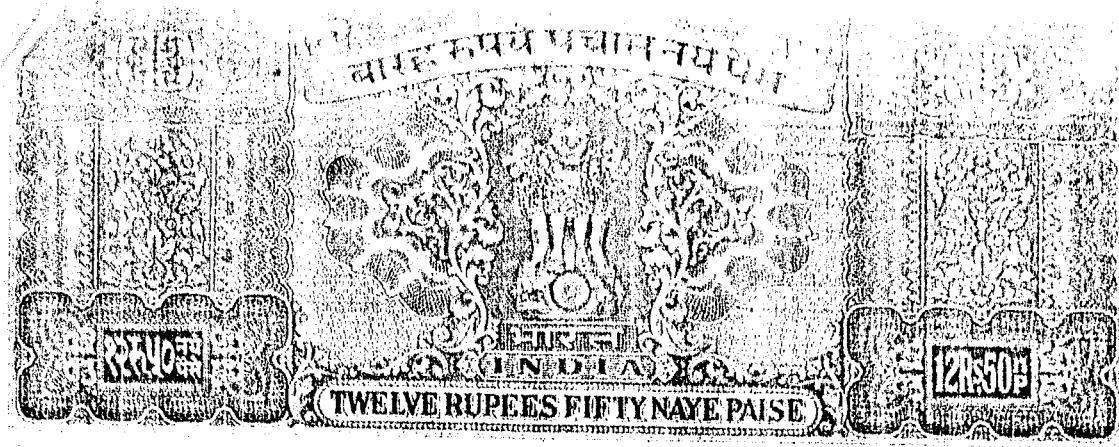
४. इस फिल्म में कल्पना नाम के लोगों (कल्पना-  
वालों) का प्रमाणिक तरीके से, जिसे लेखक दिया  
किए हमारे ।

जामीन वा छत्रा विवरण : -  
वोकं मोजा सिमेड्गा करना कैसे आना -  
सिमेड्गा आना ११६४ सळ रजिस्ट्री आपि स  
सिमेड्गा सळ डिलिजन सिमेड्गा सदर रजिस्ट्री  
आपि स तरा जाना कैसी :

भावू रेवट नं० २ रोजा दि ६ अ

मात्रा वृत्ति के लिए रकम 0.30 टीस डी सीओल  
में से 0.94 डीसीओल (प-डू) डीसीओल जारी।  
जो हदी नीचे दिया जाता है।

*m* ↗ (wife of)  
Bishwasi Tirkey.



गोदावी ।

उत्तरः - जुसफ उरांव बौंडरह दुंगा कारी ।

दरिवनः - परवी बदीम छंवे शास्ता ।

छूरबः - बारी दुंगा उरांव को मजान पावल लकड़ा

परिचयः - कारी दुंगा उरांव को मजान बारी स्थेश्वरी  
चरण लाले ।

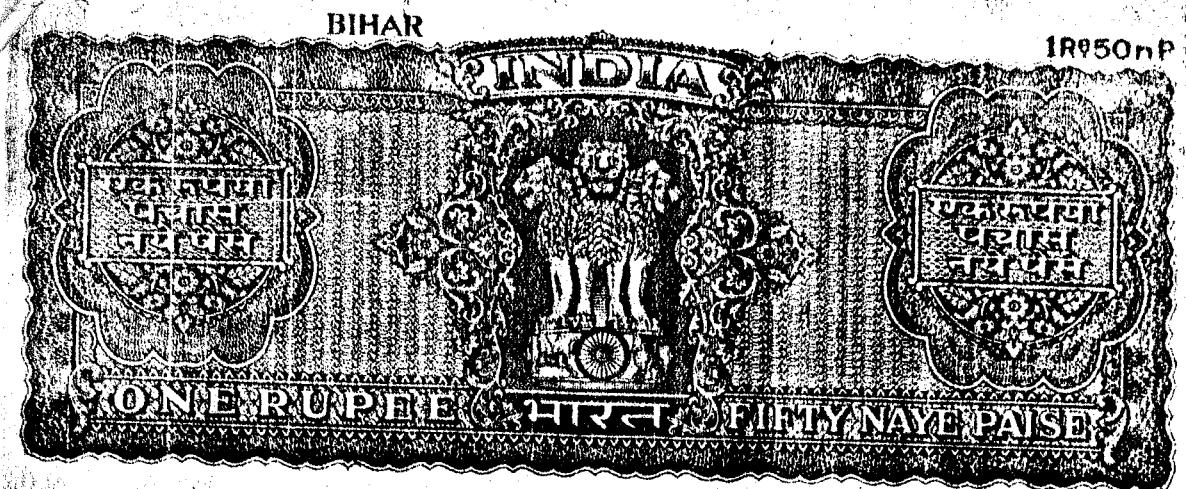
मिजानः - एक रकाता के छांव घोट ला बुल रकाता  
०.३० टीस डी समील में से ०.१५ पन्द्रह डीसमील जिसमें  
एक हिस्या जानिक छूरब दखिल किनारा बो दुसरा हिस्या  
जानिक उठार परिष्कर्म किनारा, जिसका तालाना मालगुजारी  
१० (दश) नपा देसा भलोके शोष ।

मोकिरान के कहाँने पर बिक्रम पत्त के बाला लिखा को  
पढ़कर दुंगा को समझा किया तथा उसके स्वरूप एकांकर को समझा,  
मूल्य कोर कोलो दी कह है । जो समझ बुझ नह इस दस्तावेज  
पर दस्तावार अर दिये ।

लिपिकारः - रास्तो मिहि यजा ताइद रुठमो बेट शिमोंगा  
लाजा दिनांक १२ - ४ - १९८४ ५८

(wife of)

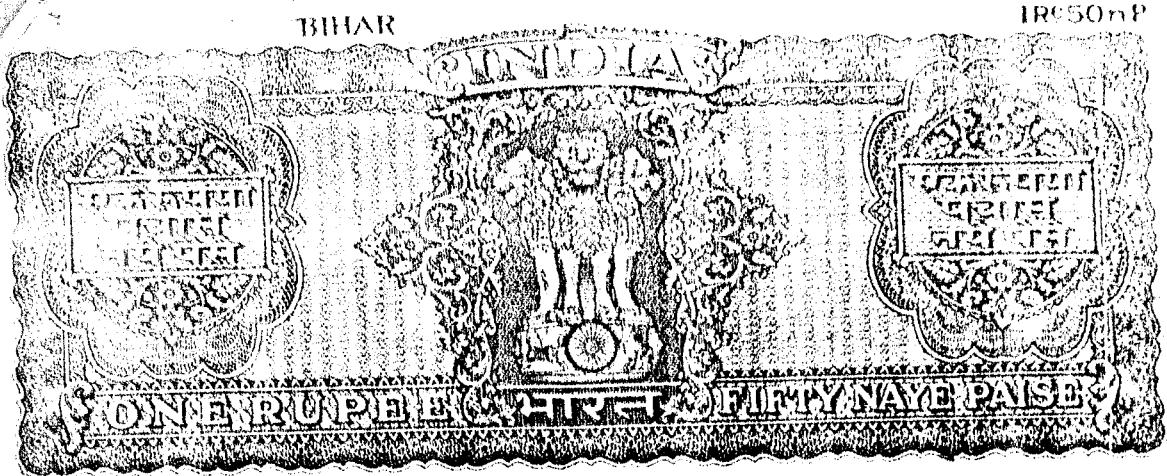
Bishwakarī Tirkay.



ج ۲ - ۹۲

( wife of )

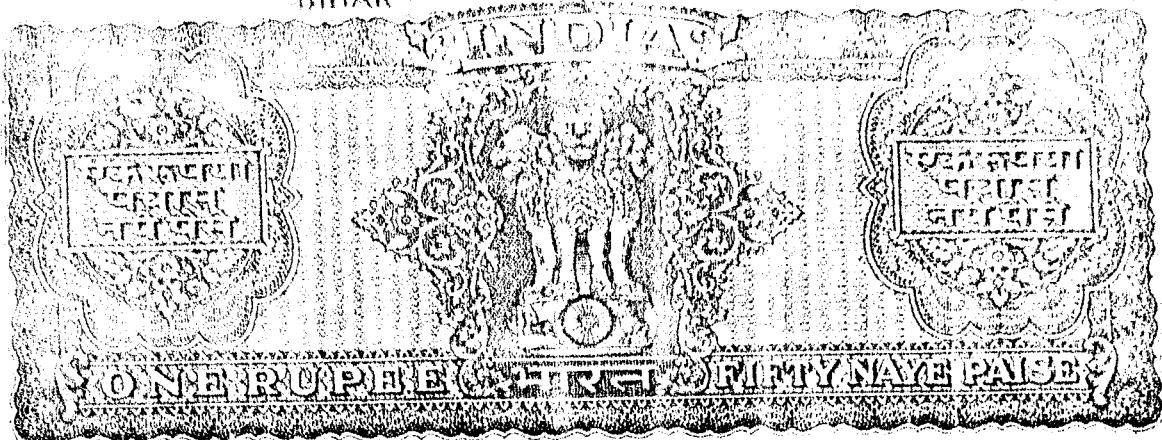
Bishwasî Turkey



15  
10  
5  
2  
1

(wife of)

Bishtwasi Tirkay



मेरी अलंकृत तिक्की पिंडा की खुरानोंमें तिक्की साकेत  
सिमटेगा जो दोनों धान सिमटेगा जितना रोजी वह आपोंत  
हरता है यह आपोंत की जाने वाली समानि के कारबाहों  
द्वारा आपोंत समानि अधिकतम रोजी से अधिक नहीं होगी

मेरी आलंकृत तिक्की को ही ७२-७-६४

के ता की अलंकृत तिक्की को ही कलाघर वडा ने

पहचान की उसने मेरे सामने उपलब्ध तसदीको किया है  
उपरोक्त व्यापार उसको जान आरो इसे विश्वास से समझें।

मेरी स्त्रीपान नं. ८

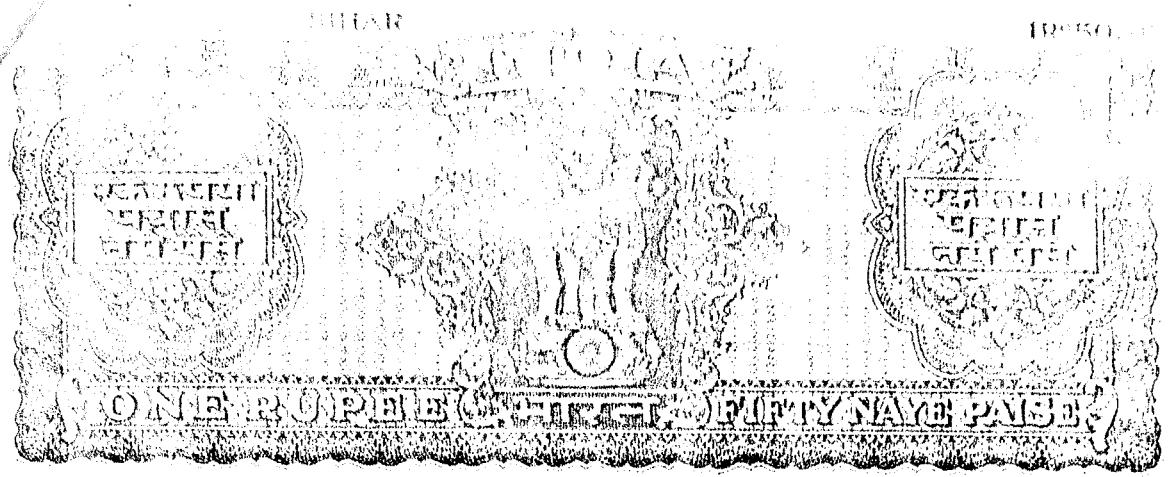
७२-७-६४

(Signature)

प्रभावी विश्वास

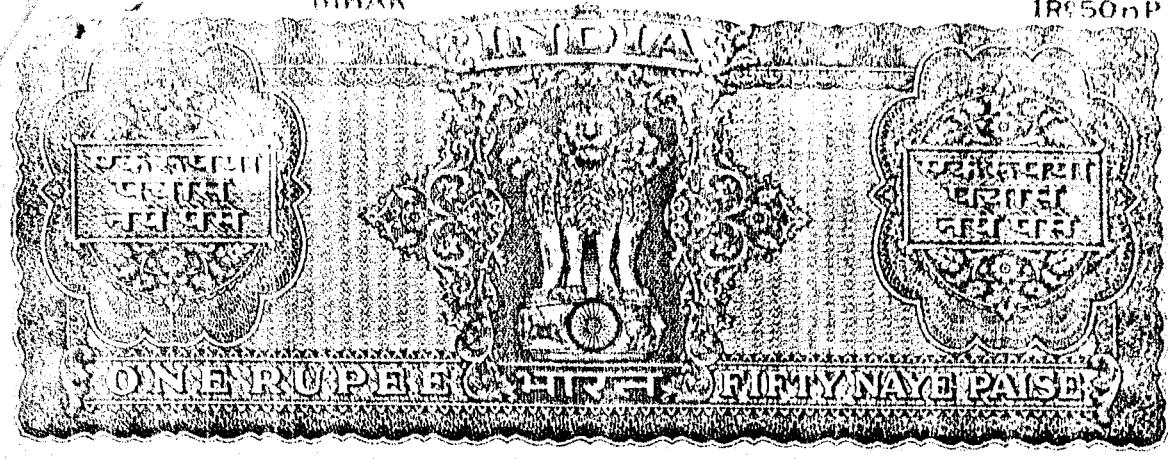
(wife of)

Bishwasi Turkey.



7  
18  
10  
5

(wife of)  
Bishwasi Tirkey.



(wife of)  
Bishnusri Tirkay.